जाग उठा हमारा
आजाद हिन्दुस्तान
RNI No.-MPHIN/2001/14172
AZAD हिन्दुस्तान LIVE

बड़वाह को जिला बनायेगें

वर्ष-23 अंक-15 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 11 अप्रेल से 17 अप्रेल 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

मुख्यमंत्री के महेश्वर दौरे से पहले

बड़वाह को जिला बनाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे शहरवासी

2008 से की जारही है बड़वाह को जिला बनाने की मांग

बड़वाह - नवरत्नमल जैन

प्रदेश के मुखिया शिवराजसिंह चौहान आम्बेडकर जयंती के दिन 14 अप्रेल को महेश्वर दौरे पर आरहे है । इस दौरे से ठीक पहले सन् 2008 से लगातार बड़वाह को जिला बनाने की मांग कर रहे बड़वाह शहर के नागरिकों ने बुधवार को एक बार फिर दलगत राजनीति से उपर उठकर एकजुटता के साथ बड़वाह को जिला बनाने के उद्देश्य से बड़वाह जिला बनाओं संघर्ष समिति के बेनर तले विशाल रेली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौपा गया । जय स्तंभ चौराहे से प्रारंभ हुई इस रैली में अनेक सामाजिक, धार्मिक , समाजसेवी संगठन ,व्यापारी वर्ग, युवावर्ग के साथ ही भाजपा व कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने बडी संख्या में शामिल होकर भाग लिया

मिलकर आवाज उठायेगें , बड़वाह को जिला बनायेगें एवं **भारत माता की जय** के नारों के साथ यह विशाल रैली मुख्य चौराहा, एमजीरोड़ ,गोल बिल्डिंग , झंडा चौक होते हुये एसडीएम कार्यालय पहूंची । जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम लिखा ज्ञापन एसडीएम श्री बी. एस. कलेश को सौपते हुये बड़वाह को जिला बनाने की पुरजोर मांग की गई । इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता, भाजपा जिला महामंत्री श्री महिम ठाकुर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष श्री नीलेश रोकड़िया, समाज सेवी चिकित्सक डॉक्टर श्री ओ.पी.टेगर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष लाला बना, कांग्रेस नगर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा , नगरपालिका उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, कांग्रेस के ओजस्वी नेता श्री तिलोक राठोड़ , डॉ.जे.पी.चौहान, जिले की आवाज उठाते श्री प्रदीप सेठिया, नगर विकास मंच के नवरत्न मल जैन , वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लादूराम साहू , भाजपा के ओजस्वी नेता श्री जितेन्द्र सुराणा , दीपक ठाकुर , श्री रमेश जोशी, पार्षद जिम्मी तौमर, पत्रकार श्री भुवनेश सेंगर, भाजपा नेता रोमेश विजयवर्गीय , कांग्रेस नेता सोहन शाह , समिति के श्री कमल भंडारी, जसबीर सिंह भाटिया, जितेन्द्र सेन, अतुल आरस , मुज्जफर हुसेन अगवान आदि लोगों ने मुख्यमंत्री से बड़वाह को जिला बनाकर अधिसूचना जारी करने की मांग की इसके साथ ही चैतावनी भी दी कि अब भी यदि बड़वाह को जिला नही बनाया गया तो फिर 2008 से इंतजार करती बड़वाह क्षेत्र की जनता इस उपेक्षा को सहन नही करेगी और सड़कों पर विशाल आन्दोलन करेगी । ज्ञापन का वाचन नपा उपाध्यक्ष श्री राजेश जायसवाल ने किया तथा आभार मुज्जफर हुसेन अगवान ने किया ।

बड़वाह बन सकता है प्रदेश सबसे पवित्र एवं सबसे बडा उर्जा उत्पादक जिला

मध्य प्रदेश शासन द्वारा बड़वाह को जिला बनाने के लिये खरगोन जिला कलेक्टर से 2008 में मंगवाये गये प्रस्ताव के अनुसार बड़वाह जिले में बड़वाह, सनावद, पुनासा एवं महेश्वर तहसिल को समाहित किया गया है । यदि यह सपना साकार होता है तो औकारेश्वर एवं महेश्वर दोनों पवित्र तीर्थ , औकारेश्वर , इन्दिरासागर एवं महेश्वर पॉवर प्रोजेक्ट तथा मूंदी एवं सेल्दा थर्मल पावर प्लांट भी बड़वाह जिले में होगें ऐसे में बड़वाह जिला प्रदेश का सबसे बड़ा विद्युत उत्पादक उर्जावान एवं पवित्र वं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला होगा । बड़वाह से विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग ओमकारेश्वर, ममलेश्वर तथा ऐतिहासिक व पर्यटक स्थल महेश्वर समीपस्थ होकर सामाजिक व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ है । यहां देश का प्रमुख अर्धसैनिक बल सीआईएसएफ का प्रमुख प्रशिक्षण केन्द्र है । जबकि नर्मदा तट पर धार्मिक व पर्यटक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन होते हैं। इसके साथ ही वर्तमान में यहां बड़वाह एवं सनावद नगरपालिका क्षेत्र है और अब यह क्षेत्र नेशनल हाईवे, ब्रॉडगेज रेल लाइन के प्रमुख मार्ग से जुड़ा हुआ है । यहा पर आसपास प्राचीन तीर्थ स्थल होने के साथ सिद्धरकुट जैन तीर्थ भी है । सीआईएसएफ के रूप में प्रमुख औद्योगिक सुरक्षा बल का प्रशिक्षण मुख्यालय है । इन सभी तथ्यों को देखते हुये बड़वाह में वे सभी खूबियां है जो एक आदर्श जिले के लिये आवयश्क होती है ।

जनता का दिल जीतना है तो विधायक श्री सचिन बिरला को आगे आना ही होगा -

मध्यप्रदेश में एक बार फिर विधानसभा चुनाव नजदीक है ऐसे में बड़वाह को जिला बनाने के लिये सबसे आगे विधायक श्री सचिन बिरला को आना होगा । विधायक श्री सचिन बिरला की पहचान एक सक्रीय , जुझारू एवं जनहित के लिये संघर्ष करने वाले नेता की रही है । किसानों को नहरों का पानी लाना हो या क्षेत्र की समस्याओं को उठाते हुये जैल जाने तक की बात वे आगे रहे है लेकिन अब उनके सामने सबसे बडी चुनौती बड़वाह को जिला बनाने की आवाज को पुरजोर तरीके से शासन के सामने पहूंचाने की है । यही अवसर है कि जब मुख्यमंत्री जी बागली को जिला बनाने को अपनी प्राथमिकता बता चुके है तो उनके सामने बड़वाह को जिला बनाने की मांग रखकर क्षेत्र वासियों का सपना पूरा कर दिखाये । यदि विधायक श्री सचिन बिरला बड़वाह को जिला बनाने का सपना पूरा कर दिखाने में सफल रहे तो आने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हे शानदार मतों से विजयी होने से कोई नही रोक पायेगा । वही दूसरे दलों के जो भी दावेदार टिकिट की लाईन में उन्हे भी चाहिये कि वे बड़वाह को जिला बनाने के संघर्ष में आगे रहे और जिसे भी टिकिट मिले अपनी पार्टी के मुखिया से बड़वाह को जिला बनाने की खुले आम घोषणा करने के लिये बाध्य करे तब भी बड़वाह की जनता अब उनपर विश्वास कर पायेगी ।

चुनावों में जिला बनाने की घोषणा का लालीपॉप और जीतने के बाद केवल निराशा...

पिछले कई दशको से सरकारों एवं हमारे चुने हुये जनप्रतिनिधियों ने जिले की मांग को लेकर बड़वाह वासियों के साथ केवल छलावा ही किया । चुनाव चाहे लोकसभा का हो या विधानसभा का । दोनो ही दलों के उम्मीदवार अपने घोषणा पत्र में सबसे पहली घोषणा बड़वाह को जिला बनाने की करते है लेकिन चुनाव जीतने के बाद वे इस सबसे महत्वपूर्ण घोषणा को ठंडे बस्ते में डालकर जनता के साथ बडी मासूमियत से छलावा करते है । 15 साल तक श्री हितेन्द्र सोलंकी जी ने हर चुनाव में बड़वाह को जिला बनाने की घोषणा की लेकिन अपनी सरकार होते हुये भी कोशिशों के बाद भी वे क्षेत्र वासियों के इस सपने को साकार नही कर पाये । दूसरी ओर कांग्रेस के टिकिट पर चुनाव लड़ने वाले श्री सचिन बिरला ने जोर शोर से बड़वाह को जिला बनाने का वादा किया और जनता ने उन्हे अब तक के सबसे बडे अन्तर से रिकार्ड जीत दिलाकर विधायक बनाया, 15 माह कांग्रेस की सरकार भी बनी लेकिन जिले की मांग नही उठा पाये इसके बाद वे जब भाजपा में शामिल हुये तो मंच से बड़वाह को जिला बनाने की मांग उन्होने मुख्यमंत्री जी के सामने जरूर रखी लेकिन सत्ताधारी दल में शामिल होने के बाद भी वे जिले का सपना अभी तक पूरा नही करवा पाये । आज जब बड़वाह के नागरिक फिर से जिले की मांग को लेकर सड़को पर है तो दोनो ही दलों के अधिकांश नेता तो रेली में नजर आये लेकिन पूर्व विधायक श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी एवं वर्तमान विधायक श्री सचिन बिरला आखिर क्यों नजर नही आये यह सवाल हर बड़वाह वासी की जुबान पर है । विधायक जी के सामने अवसर है कि वे जनता की आवाज बनकर लोगों को दिल जीत ले ।

जिले के लिये चलाये जा रहे आन्दोलन को सरकार विरोधी नही जनहित समर्थक माना जाये -

इसे संयोग ही कहा जायेगा कि जब चुनाव आते है तो जिले की मांग जौर पकड़ती है । ऐसे में कुछ लोग इन आन्दोलनों को सरकार विरोधी मानकर उससे धीरे-धीरे दूरी बनाने हुये आन्दोलन को खत्म करने की कोशिश करने लगते है, जिससे उनका चुनावी नुकसान नही हो लेकिन इसे भी प्रजातंत्र में वोट की शक्ति का प्रभाव ही कहा जायेगा ।

चुनाव के समय आन्दोलनों का प्रारंभ होने के पीछे सबसे बडा कारण भी यही होता है कि सरकारों एवं जनप्रतिनिधियों को जनता एवं उसके वोटों की जरूरत केवल चुनाव के समय ही पड़ती है । चुनाव जीतने के बाद सरकार एवं जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकताऐं बदल जाती है ऐसे में जनता के सामने उसी समय अपनी मांग रखना मजबूरी होती है जब सरकार एवं उनके जनप्रतिनिधियों को जनता के वोटों एवं समर्थन की जरूरत होती है । ऐसे में इन आन्दोलनों को सरकार विरोधि नही मानकर एक अवसर के रूप में लेना चाहिये और जनभावना को समझना चाहिये । हमने देखा है कि बड़वाह को जिला बनाने की मांग बरसों से होने के बाद भी चाहे कांग्रेस की सरकार हो या भाजपा की सुनवाई नही हुई और हमारे देखते ही देखते आगर को जिला बना दिया जाता है, अबस्वयं मुख्यमंत्री जी ने बागली को जिला बनाने के संकेत दिये है तो बड़वाह को क्यो नही । हमारे यहां के सभी नेताओं को चाहे वे किसी भी दल के हो , एकजुट होकर जिले की मांग के लिये आवाज उठाने का सबसे अच्छा अवसर यही है । अब देखना यह भी है इस आन्दोलन को कितने समय तक और किस हद तक राजनैतिक दलों का समर्थन मिल पाता है । हमारे जनप्रतिनिधि इसमें कितना शामिल हो पाते है तथा इस आन्दोलन का भविष्य क्या होता है? यह सब आने वाला समय ही बतायेगा । लेकिन इसमे कोई दोराय नही कि यदि इस बार भी बड़वाह को जिला नही बनाया गया तो जिले की मांग का मुद्दा जनता की अदालत में सबसे बडा चुनावी मुद्दा भी बन सकता है ।